1356 दानपत्र 2,88,000 गुमला 0.13 1330 **5000Rs.**

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

स्टाम्प 83,700/-

17940
5760
23700/-

with the permission of
case no. 407/02-03 date
17/04/03

१- नाम मौकिर :- बेलासियुस एका पिता स्व० पतरस एका जात उरांव पेशा सेवानिवृत ग्राम गुमला डुमरटोली वार्ड नं० ७ थाना गुमला पोष्ट गुमला जिला गुमला शपथ पत्र संख्या- 310/03

२ नाम मौकिर :- रेथेलवट एका पिता बेलासियुस एका कायेम जात उरांव पेशा व्यापार ग्राम गुमला डुमरटोली वार्ड नं० ७ थाना गुमला पोष्ट गुमला जिला गुमला भारतीय नागरिक शपथ पत्र संख्या- 311/03

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

३- किस्म वशिका :- दस्तावेज बख्शीश नामा कुल होल्डींग आज तारीख से बराबर के लिये जिसका सालाने हसरबन्दी मालगुजारी मौवलिग ०.५० पैसा अलावे सेष । जो साल सम्बत २०६० से बसिरिस्ते स्टेट ऑफ झारखण्ड में अदाय होगा ।

४- तायदाद रुपया :- मालियत से बख्शीश नामा जमीन की मौ० २,७२,०००।- दो लाख बहत्तर हजार रुपया वो दो रूम कच्चा खपड़पोष मकान की मौ० १६०००।- सोलह हजार रुपया जुमला मौवलिग २,८८,०००।- दो लाख अठासी हजार रुपया जिसका आधा १,४४,०००।- एक लाख चौवालीस हजार रुपया होता है।

५- तफसील जमीन :- मवाजी ०.१७ डी० जमीन एवं दो रूम कच्चा मकान खाम खपड़पोष काठ, बांस, किवाड़, चौखट खिड़की अहुती पिछुती कुल लवाजमात हकियत दखली हसरबन्दी हासिल खरीदगी अपना बजरीय बिक्री दस्तावेज संख्या ७३४ सन् १९६८ बुक १ भोलुम ७ पेज न० १७ से १९ तारीख रजिष्ट्री १५-२-६८ तैयारी तारीख २६-३-६८ नविस्ते जुलियुस मिंज पिता लुकस मिंज बनाम वो बहक मन मौकिर बेलासियुस एक्का पिता पतरस एक्का वाके मौजा

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

गुमला डुमरटोली वार्ड न० ७ थाना गुमला थाना न० ५६ जिला गुमला जिसका मुतअल्के कलक्टरी वो डिष्ट्रीक्ट वो सब रजिष्ट्रार मोकाम गुमला जिला गुमला के वाके हैं।

तफसील जमीन से बख्शीशनामा

खाता न० -	नाम जमीन -	प्लौट न० -	दर्जा -	रक्बा
६४	डोहारी टाँड	१२२२		०.१७ डी०
(चौंसठ)	(बारह सौ बाइस)			

चौहद्दी :- उ: दिलवर कुजुर

द: रास्ता

पु: रास्ता

प: बौवास लकड़ा

नापी :- नापी के अनुसार बख्शीश जमीन का नक्शा संलग्न है।

जमा रक्बा सतरह डी०   ०.१७ डी०

आगे से बख्शीश नामा जमीन अन्दर खाता न० ६४ प्लौट न०

[illegible] [illegible]-5-2003

मौजा [illegible] ता० 31-5-2003 [illegible]

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

१२२२ रकबा ०.१७ हे० मन मौकिर का अपना निजी कमाई से खरीदगी जमीन है जो बजरीये बिक्री दस्तावेज संख्या ७३४ सन् १९६८ बुक नम्बर १ भौलुम न० ७ पेज १७ से १९ तारीख रजिष्ट्री १५-७-६८ तैयारी तारीख २९-३-६८ बविस्ते जुलियुस मिंज पिता लुका मिंज बनाम वो बहक मन मौकिर बेलारियुस एका पिता पतरस एका के नाम हासिल कर एक छोटा सा कच्चा खपड़ पोश मकान बनाकर शांति पूर्वक दखल कार चले आते हैं एवं मन मौकिर अपने नाम से दाखिल खारीज कराकर एवं सरकार को माल अदाय कर रसीद अपने नाम से हासिल करते चले आ रहे हैं। हाल का सुरत है के मन मौकिर अवस्था से काफी बुढ़ापा वो कमजोर हो चुके हैं मौकिर अलैह मन मौकिर का अपना छोटा पुत्र

बेलारियुस एक्का
31-5-2003

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

है जो मन मौकिर एवं मन मौकिर की पत्नी के साथ रहकर

लम्बे अरसे से जिन्दगी का हर किसीम से सेवा टहल कर माँ

बाप की इच्छा की पुरी करते आये वो माँ की मृत्यु के बाद

सभी प्रकार से जाति रिवाज से श्राद्ध कर्म भी किया मौकिर अलेह

के लम्बे अरसे से सेवा टहल से मन मौकिर वो मन मौकिर की पत्नी

आराम पाकर वो खुश होकर मौकिर अलेह को उपर लिखा जमीन

एवं मकान की बख्शीश करने की बात मन मौकिर अपनी पत्नी से

भी की थी तो मन मौकिर की पत्नी ने भी अपनी जिन्दगी में

मौकिर अलेह को अपनी खरीदगी जमीन एवं मकान मौकिर अलेह

को बख्शीश करने की सहमति दी थी इस तरह मन मौकिर अपनी

मृत पत्नी की इच्छा एवं अपनी खुद की इच्छा की पुर्ति के लिये

अपने छोटे पुत्र जो मौकिर अलेह है को अपनी निज खरीदगी जमीन

31-5-2003

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

को बख्शीश करने की अनुमति के लिये मन मौकिर ने एक किता दरखास्त न्यायालय भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता गुमला के दिया जिसकी अनुमति वाद संख्या ४०७ सन् ०२-०३ पड़ा वो हर प्रकार से जाँच पड़ताल के बाद बतारीख १७-४-०३ को भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता गुमला ने मन मौकिर को साथ मौकिर अलैह के बख्शीश करने की अनुमति प्रदान की चूँकि मन मौकिर आदिवासी होने के कारण बिना अनुमति न्यायालय के बख्शीश नामा नहीं कर सकते इस तरह मन मौकिर मौकिर अलैह के साथ अपनी जमीन बख्शीश करने की अनुमति पाकर आज के रोज उपर लिखा जमीन मुन्दर्जे वाला खाना न० ५ के साथ मौकिर अलैह के कुल हक हकूक

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

के साथ बख्शीश नामा कर कुल हक हकूक के साथ मौकिर

अलेह को आज के रोज से बराबर के लिए दखल कार किया

29-5-2003

के मौकिर अलेह भी बख्शीश नामा लेना कबूल वो मंजूर

किया के अब वो आज के रोज से मौकिर अलेह साहब

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

वारीशान से बख्शीश नामा जमीन पर कायम वो काबीज

दखलकार होकर वो रह कर मुनासिब इंतजाम कर कच्चा

या पक्का मकान सहन बनावे वो खुद रहे वो किराये पर

लगावे या जैसा जरूरत वो इच्छा हो किया करें वो

बदस्तुर स्टैट ऑफ झारखण्ड में अपने नाम से दाखिल

31-5-2003

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

खारीज करा कर साल व साल सरकार को लगानबन्दी माल-

गुजारी अदाय कर रसीद साथ अपने नाम से लिया करेंगे

से बख्शीश वाली जमीन खतियान के अनुसार सरकारी नहीं

है न ही सरकार द्वारा अधिग्रहण किया गया है। यह भूमि

भूदान, भूहदबन्दी, लीज, भू-अर्जन तथा बन्दोबस्ती की नहीं

है। यह भूमि खनन एवं वन सीमा से बाहर की है। यह

भूमि मठ, मन्दिर, गिरजा, मस्जिद, सरना तथा गुरुद्वारा

का नहीं है न ही यह भूमि को पूर्व में बिक्री की गई है

न ही यह भूमि आदिवासी खाते की है इसलिए बख्शीश की

खाहीस बहाली मिजाज से पूर्ण होश हवास को सोच समझ

31.5.2003

पचास रुपये
सत्यमेव जयते
भारत
INDIA
५०रु. FIFTY RUPEES 50RS

बुझ कर स्वस्थ मन से वो खुश मन से दस्तावेज बख्शीश नामा लिख दिया के समय पर काम आवे वो प्रमाण रहे के मन मौकिर दस्तावेज बख्शीशनामा गवाहों के सामने पढ़वा कर खुद सुन समझ लिया वो गवाहों के सामने अपना दस्तखत बनाया एवं गवाहान भी मन मौकिर के निर्देशानुसार समझ बुझ वो सुन कर मन मौकिर के सामने एवं एक दूसरे गवाहों के सामने अपना - अपना हस्ताक्षर कर गवाही बनाया ।

उपरोक्त बख्शीश नामा लेना कबूल और मंजूर किया
31/5/2k3

31-5-2003

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२० रु. TWENTY RUPEES 20 RS

प्रमाणित किया जाता है कि यह मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे की हुबहु और सच्ची प्रतिलिपि है जिसमें कुल ७४५ शब्दों में टाइप किया गया है।

टंकक ललकु सिंह मौजाम गुमला भुवनेश्वर लाल अधिवक्ता गुमला के ड्राफ्ट पर यह बख्शीश नामा टाइप किया।

Bhuwaneshwar Lal
Advocate
ड्राफ्टकर्त्ता का हस्ताक्षर
31.5.2003

टंकक,

31.5.03

(ललकु सिंह गुमला कोर्ट)